

[This question paper contains 12 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1499

H

Unique Paper Code : 12277606

Name of the Paper : Money & Financial Markets

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Economics**

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Five** questions.
3. The distribution of the marks is given with the question.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

3. अंकों का वितरण प्रश्न के साथ दिया गया है ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. (a) Critically examine the money multiplier approach to money supply determination in the emerging market economies.

(b) Why is the money supply curve upward sloping in case of endogenous money supply?

(c) The Reserve Bank has released data on sources and components of Reserve money as on 24th March 2023 which is given below.

Source/ Component	Rs. Trillion
1. Currency in Circulation	3380
2. Bankers' Deposits with RBI	868
3. 'Other' Deposits with RBI	65
4. RBI Credit to Banks & Commercial Sector	87
5. Net Foreign Exchange Assets of RBI	4607
6. Government's Currency Liabilities to the Public	30
7. Net Non-Monetary Liabilities of RBI	1612

Using the above data, calculate the Net RBI Credit to Government and prepare the Balance Sheet of RBI. What is the major source of Reserve Money?

(6+4+5)

(क) उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा आपूर्ति निर्धारण के लिए

मुद्रा गुणक दृष्टिकोण की आलोचनात्मक जांच करें।

(ख) अंतर्जात मुद्रा आपूर्ति के मामले में मुद्रा आपूर्ति वक्र ऊपर की

ओर झुका हुआ क्यों है?

(ग) रिजर्व बैंक ने 24 मार्च 2023 तक रिजर्व मुद्रा के स्रोतों और

घटकों पर आंकड़े जारी किये हैं जो नीचे दिया गया है।

स्रोत/घटक	Rs. Trillion
1. चलन में मुद्रा	3380
2. भारतीय रिजर्व बैंक के पास बैंकरों की जमाराशियां	868
3. आरबीआई के पास 'अन्य' जमा	65
4. बैंकों और वाणिज्यिक क्षेत्र को आरबीआई क्रेडिट	87
5. आरबीआई की शुद्ध विदेशी मुद्रा संपत्ति	4607
6. जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	30
7. आरबीआई की शुद्ध गैर-मौद्रिक देनदारियां	1612

उपरोक्त आंकड़ों का उपयोग करते हुए, सरकार को निवल RBI ऋण की गणना करें और RBI की बैलेंस शीट तैयार करें।
आरक्षित मुद्रा का प्रमुख स्रोत क्या है?

2. (a) Examine the following conceptual issues in compilation of monetary aggregates.

(i) Definition of money

(ii) Sectorisation issue

(iii) Coverage of Depository corporations

(b) What is Asset Securitisation? What are the benefits to issuers and investors? (9+6)

(क) मौद्रिक समुच्चय के संकलन में निम्नलिखित अवधारणात्मक मुद्दों की जाँच करें।

(i) मुद्रा की परिभाषा

(ii) क्षेत्रीकरण मुद्रा

(iii) निक्षेपागार निगमों का आच्छादनीयता

(ख) परिसंपत्ति प्रतिभूतिकरण क्या है? जारीकर्ताओं और निवेशकों को क्या लाभ हैं?

3. (a) What is asymmetric information? What problems does it give rise to in financial markets?

(b) What is lemons problem in the stock and bond market? How does moral hazard influence the financial structure in debt markets? What are the tools to help solve moral hazard in debt contracts? (5+10)

(क) असममित सूचना क्या है? यह वित्तीय बाजारों में क्या समस्याएं पैदा करता है?

(ख) शेयर और बाँड बाजार में लेमन्स प्रॉब्लम क्या है? ऋण बाजारों में नैतिक जोखिम वित्तीय संरचना को कैसे प्रभावित करता है? ऋण अनुबंधों में नैतिक जोखिम को हल करने में कौन से उपकरण सहायक हैं?

4. (a) What are the factors causing financial crisis? How does it affect economic activity? Explain in this context the sequence of events in the US Financial Crisis.

(b) Longing a call or longing a put option allows the investor to gain if the price of the underlying asset rises above the strike price plus the option price. Do you agree? Explain with the help of tables and graphs. (8+7)

(क) वित्तीय संकट पैदा करने वाले कारक क्या हैं? यह आर्थिक गतिविधि को कैसे प्रभावित करता है? इस संदर्भ में अमेरिकी वित्तीय संकट की घटनाक्रम की वर्णन कीजिए।

(ख) एक कॉल की लालसा या एक पुट विकल्प की लालसा निवेशक को लाभ की अनुमति देता है यदि अंतर्निहित परिसंपत्ति की कीमत स्ट्राइक मूल्य और विकल्प मूल्य से ऊपर उठती है। क्या आप सहमत हैं? तालिका और ग्राफ की सहायता से समझाइए।

5. (a) Consider an investor who purchases a callable, one year bond with face value of Rs. 1000 and coupon rate 6%. Assume that the market rate of interest is 5 %. Find the price at which the investor buys the bond.

Consider two cases separately with market rate of interest 4% and 10% respectively. When will the issuer want to call the bond?

Explain with the help of a diagram the relationship between interest rate and price of bonds when the bonds are callable vis-a-vis the non-callable bonds.

- (b) Suppose investors prefer one-year bonds to three-year bonds and will purchase a three-year bond only if they expect to receive an additional 3 percent over the return for holding one-year bonds. Currently one-year bonds yield 4 percent, but investors expect this yield to rise to 6 percent next year and to 8 percent the year after.

(i) Which of the three models of term structure is relevant in this case?

(ii) What is the shape of the yield curve?

(iii) What is the yield on the three-year bond?

(10+5)

(क) एक निवेशक पर विचार करें, जो 1000 रुपये के अंकित मूल्य और 6% की कूपन दर के साथ एक कॉलेबल एक साल का बॉण्ड खरीदता है। मान लें कि बाजार की ब्याज दर 5% है। वह मूल्य ज्ञात करें जिस पर निवेशक बॉण्ड खरीदता है।

क्रमशः 4% और 10% बाजार दर के साथ दो मामलों पर विचार करें। जारीकर्ता बॉण्ड को कब कॉल करना चाहेगा?

एक चित्र की सहायता से बॉण्ड की ब्याज दर और मूल्य के बीच संबंध की व्याख्या करें जब बॉण्ड कॉलेबल की तुलना में नॉन कॉलेबल बॉण्ड हैं।

(ख) मान लीजिए कि निवेशक तीन साल के बॉन्ड को बदले एक साल के बॉन्ड को पसंद करते हैं और तीन साल के बॉन्ड को तभी खरीदेंगे, जब वे एक साल के बॉन्ड को रखने के लिए रिटर्न पर अतिरिक्त 3 प्रतिशत प्राप्त करने की उम्मीद करते हैं। वर्तमान में एक साल के बॉन्ड पर प्रतिफल 4 प्रतिशत है, लेकिन निवेशकों को उम्मीद है कि यह प्रतिफल अगले साल बढ़कर 6 प्रतिशत और अगले साल 8 प्रतिशत हो जाएगी।

(i) इस मामले में टर्म स्ट्रक्चर के तीन मॉडलों में से कौन सा प्रासंगिक है?

(ii) प्रतिफल वक्र का आकार कैसा है?

(iii) तीन साल के बॉन्ड पर प्रतिफल क्या है?

6. (a) Debt instruments differ with respect to their underlying liquidity. Discuss in this context what is liquidity risk? How is it factored in the debt instruments issued by large vs small corporations?

(b) Is the view that it was the risk sensitive framework of Basel II that caused the crisis valid? Discuss.

(c) What are G-SIBs? Will any Indian Banks be classified as a G-SIB? Discuss in the context of Basel-III norms. (6+5+4)

(क) ऋण साधन उनकी अंतर्निहित तरलता के संबंध में भिन्न होते हैं। इस संदर्भ में चर्चा करें कि तरलता जोखिम क्या है? बड़े बनाम छोटे निगमों द्वारा जारी किए गए ऋण उपकरणों में इसे कैसे शामिल किया जाता है?

(ख) क्या यह विचार मान्य है कि यह बासेला II का जोखिम संवेदनशील ढांचा था जिसके कारण संकट उत्पन्न हुआ? चर्चा करें।

(ग) G-SIB क्या हैं? क्या किसी भारतीय बैंक को G-SIB के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा? बेसल-III मानदंडों के संदर्भ में चर्चा करें।

7. (a) Using the stylized representation of monetary policy framework of a change in policy rate explain various channels of monetary transmission?

(b) Distinguish between Conventional and Unconventional Monetary policy measures? Briefly discuss any three unconventional monetary policy measures. (8+7)

(क) नीति दर में बदलाव के मौद्रिक नीति ढांचे के शैलीबद्ध प्रतिनिधित्व का उपयोग करते हुए मौद्रिक संचरण के विभिन्न चैनलों की व्याख्या करें?

(ख) पारंपरिक और अपरंपरागत मौद्रिक नीति उपायों के बीच अंतर करें? किन्हीं तीन अपरंपरागत मौद्रिक नीति उपायों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

8. Write short notes on any two :

(a) Movement from Base rate lending system to MCLR

(b) Potential challenges in implementing the counter cyclical capital buffer as per Basel III norms.

(c) Inflation targeting framework in India

(7.5+7.5)

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) बेस रेट लेंडिंग सिस्टम से MCLR की तरफ जाना

(ख) बेसल III मानदंडों के अनुसार काउंटर साइक्लिकल कैपिटल बफर को लागू करने में संभावित चुनौतियाँ।

(ग) भारत में मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचा